# 11 जून को सचिन पायलट कौनसा कदम उठाएंगे?

## क्योंकि 11 अप्रैल को अपनी सरकार के खिलाफ अनशन किया था, 11 मई से जन संघर्ष यात्रा की थी

- वैसे तो 11 जून को हर वर्ष दौसा में कार्यक्रम होता है, लेकिन इस बार 2 कार्यक्रम और बड़ी आम सभा का आयोजन होने से लोगों में उत्सुकता ज्यादा है
- पायलट अपनी मांगों पर अड़े रहते हैं, तो कांग्रेस में सुलह फार्मूला होगा ध्वस्त, मांगों से पीछे हटते हैं तभी कांग्रेस में भविष्य

**जयपुर**, (का.प्र.)। रविवार 11 जून को अपनी पूर्व कर्मभूमि दौसा में सचिन पायलट के दो कार्यक्रम है। एक कार्यक्रम वही है, जो हमेशा होता है और वह है स्वर्गीय राजेश पायलट को श्रद्धांजलि देने का। यह कार्यक्रम भंडाना में हर साल होता है। इसी के साथ इस बार दूसरा कार्यक्रम गुर्जर छात्रावास में रखा गया है, जहां राजेश पायलट की मूर्ति के अनावरण करने के साथ एक सभा का आयोजन होना है। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए मंत्री मुरारी लाल मीणा और बांदीकुई विधायक गजराज खटाना के अलावा पायलट समर्थक अन्य नेता भी पिछले कई दिनों से जुटे हुए हैं।

इस बार यह महत्वपूर्ण इसलिए है कि 11 अप्रैल को सचिन पायलट ने वसुंधरा राजे सरकार के भ्रष्टाचार की जांच के खिलाफ अपनी ही सरकार के सामने मांग रखते हुए अनशन किया था। उसके 1 महीने बाद 11 मई को जन संघर्ष पदयात्रा का आगाज किया था। 15 मई तक यह पदयात्रा अजमेर से जयपुर तक निकाली थी और उस जनसंघर्ष पद यात्रा की समाप्ति पर 15 मई को जयपुर में घोषणा की गई थी, कि यदि आरपीएससी को भंग कर नई व्यवस्था लागू नहीं की गई, छात्रों को आर्थिक मुआवजा नहीं दिया गया और वसुंधरा राजे सरकार के भ्रष्टाचार की जांच की घोषणा 15 दिन में नहीं की गई तो मैं प्रदेश स्तरीय आंदोलन करूंगा। गांव-ढाणी में जाकर आंदोलन करूंगा। लेकिन अपना अल्टीमेटम समाप्त होने के बाद वह आंदोलन शुरू करते उससे पहले ही 29 मई को दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मलिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी, केसी वेणुगोपाल और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की 3 घंटे हुई बैठक और उसके बाद सचिन पायलट को बुलाकर की गई बात के बाद आंदोलन स्थगित हो गया।

ऐसे में बीच में चर्चा यह चलती रही कि सचिन पायलट नई पार्टी बनाएंगे। हालांकि चर्चा अभी भी ना तो समाप्त हुई है, ना खुद सचिन पायलट ने इस चर्चा को अभी तक खारिज किया है। लेकिन अब विधानसभा चुनाव में समय कम बचा है, ऐसे में सचिन पायलट नई पार्टी बनाने का रिस्क लेंगे या नहीं लेंगे, इसे लेकर भी अभी सब कुछ क्लियर नहीं है और असमंजस की स्थिति बनी हुई है? यही कारण है कि 11 जून का सभी को इंतजार है। यह इंतजार इसलिए भी है कि पायलट 11 जून को अपने अगले कदम की घोषणा जरूर करेंगे कि आखिरकार उनके मन में क्या है।

हालांकि 29 मई को दिल्ली में हुई सुलह वार्ता के 2 दिन बाद ही उन्होंने अपने निर्वाचन क्षेत्र टोंक में घोषणा की थी, कि वह अपनी तीनों मांगों पर कोई समझौता नहीं करेंगे। दूसरी और अशोक गहलोत उनकी तीनों मांगों को अलग-अलग समय पर भाषणों के जरिए और बयानों के जरिए स्पष्ट रूप से ठुकरा चुके हैं। ऐसे में इंतजार है कि क्या 11 जून को सचिन पायलट अपने अगले कदम की घोषणा कर सकते हैं। वैसे भी 11 जून को उनके भाषण को देखने के बाद ही यह तय होगा कि क्या वे 11 जून को अपने आंदोलन को आगे बढ़ाने की घोषणा करते हैं, या नहीं। यदि वे आंदोलन की मांग पर अडिग रहते हैं, तो तय मानिए 29 मई को दिल्ली में हुई सुलह फार्मूले की बात ध्वस्त हो जाएंगी। वहीं यदि आंदोलन को आगे बढ़ाने की बात नहीं करते हैं, तो जनता को लगेगा कि आखिरकार उन्होंने इतनी बड़ी घोषणा क्यों की थी। ऐसे में माना जा रहा है कि सचिन पायलट खुद बड़ी उलझन में हैं और इससे निकलना भी आसान नहीं है।

भले ही उनकी नई पार्टी बनाने की चर्चा होती रही है, लेकिन नई पार्टी बनाना और उसे आगे ले जाना राजस्थान में बहुत आसान काम नहीं है। पिछले काफी वर्षों से राजस्थान में तीसरी पार्टी, जिनमें किरोड़ी लाल मीणा की पार्टी भी बड़ा उदाहरण है, आगे नहीं बढ़ पाई। वहीं अब हनुमान बेनीवाल लगातार अपनी पार्टी का आधार तो बढ़ा रहे हैं, पार्टी का चुनाव में वोट बैंक भी ठीक-ठाक था और हाल ही हुए उपचुनाव में भी हनुमान बेनीवाल की पार्टी को अच्छा खासा वोट मिला है, लेकिन अब तक हनुमान बेनीवाल को भाजपा के साथ गठबंधन के कारण वोट मिला बताया जाता है। ऐसे में 2023 के चुनाव में हनुमान बेनीवाल यदि 6 प्रतिशत से ज्यादा वोट लेते हैं तो निश्चित मानिए कि उनका कद राजस्थान की राजनीति में बड़ा होगा। इधर सचिन पायलट भी हनुमान बेनीवाल जैसा कदम उठाएं, इसके लिए जितना समय चुनाव में बचा है, उसमें सचिन पायलट ऐसा शायद ही करें।

ऐसे में यदि सचिन पायलट अब कोई पद लेकर कांग्रेस के साथ रहते हैं, तो उन्हें अपनी तीनों मांगें छोड़नी होंगी और यदि ऐसा करते है तो जनता के मन में उनके प्रति लगेगा कि इन मांगों को क्यों उठा रहे थे। आंदोलन क्यों कर रहे थे। ऐसे में सचिन पायलट के भाषण और अगले कदम का सभी को इंतजार है और कांग्रेस की विधानसभा चुनाव में उतरने की रणनीति भी उसी कदम से तय होगी।

## अंजीर, पपीता एवं अमरूद के एक्सीलेंस सेंटर में 19 पद सृजित

**जयपुर**। सिरोही के अंजीर उत्कृष्टता केंद्र, दौसा के पपीता उत्कृष्टता केंद्र (एक्सीलेंस सेंटर) तथा सवाई माधोपुर के अमरूद उत्कृष्टता प्रशिक्षण केंद्र के संचालन के लिए 19 पदों का सृजन होगा। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इस संबंध में प्रस्ताव को मंजूरी दी है। सिरोही के अंजीर उत्कृष्टता केंद्र में उपनिदेशक उद्यान (अनुसंधान), कृषि अनुसंधान अधिकारी, कृषि अधिकारी, कृषि पर्यवेक्षक व सहायक प्रशासनिक अधिकारी के 1-1 पद तथा सहायक कृषि अधिकारी के 2 पद स्वीकृत किए गए हैं। दौसा के पपीता उत्कृष्टता केन्द्र में उपनिदेशक उद्यान (अनुसंधान), कृषि अनुसंधान अधिकारी, कृषि अधिकारी, कृषि पर्यवेक्षक व सहायक प्रशासनिक अधिकारी के 1-1 पद तथा सहायक कृषि अधिकारी के 2 पद सहित कुल 7 पदों का सृजन किया जाएगा। सवाई माधोपुर के अमरूद उत्कृष्टता प्रशिक्षण केंद्र में कृषि अनुसंधान अधिकारी कीट, कृषि अनुसंधान अधिकारी पौध व्याधि, सहायक कृषि अधिकारी, कृषि पर्यवेक्षक व कनिष्ठ लेखाकार के 1-1 पद सहित कुल 5 पद सृजित होंगे।

## 7 जिलों में खुलेंगी खेल अकादमियां

**जयपुर**। राज्य सरकार खेलों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रदेश में विभिन्न खेल अकादमियां स्थापित कर रही हैं। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रदेश के 7 जिलों में खेल अकादमियों के लिए 14.25 करोड़ रुपए की वित्तीय मंजूरी दी है। सीकर के कोलिड़ा एवं बांसवाड़ा में फुटबॉल अकादमी, बीकानेर में साईक्लिंग अकादमी, भीलवाड़ा में कुश्ती अकादमी, राजगढ़ (चूरू) में एथलेक्टिस अकादमी तथा बाड़मेर व सीकर में बास्केटबॉल अकादमी की स्थापना की जाएगी।

# राजस्थान हाऊसिंग बोर्ड को चार प्रतिष्ठित अवार्ड मिले

**दिल्ली में केंद्रीय शहरी विकास मंत्रालय की इकाई इंडियन बिल्डिंग्स कांग्रेस ने आवासन मंडल के चार प्रोजेक्ट्स को एक्सीलेंस इन बिल्ट एनवायरनमेंट के लिए सम्मानित किया। मंडल की ओर से मुख्य अभियंता प्रथम के.सी. मीणा, उप आवासन आयुक्त (मुख्यालय) विजय अग्रवाल, उप आवासन आयुक्त (सिटी पार्क) के.के. दीक्षित, एच.आर.दुपका, आवासीय अभियंता जी.पी. अग्रवाल और रोहित सिंह ने हजारों लोगों की उपस्थिति में विभिन्न सम्मान ग्रहण किए।**

-कार्यालय संवाददाता-

- सिटी पार्क, कोचिंग हब, जयपुर चौपाटी और मुख्यमंत्री प्रहरी-अध्यापक आवासीय योजना की राष्ट्रीय स्तर पर सराहना
- आवासन मंडल को गत 4 वर्षों में 21 राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के पुरस्कार मिल चुके

**जयपुर**। राजस्थान हाऊसिंग बोर्ड के लिए शनिवार का दिन ऐतिहासिक रहा, जब बोर्ड की झोली में 4 राष्ट्रीय स्तर के अवार्ड आए। शहरी विकास मंत्रालय, भारत सरकार की इकाई आईबीसी (इंडियन बिल्डिंग्स कांग्रेस) ने मंडल के 4 प्रोजेक्ट्स को एक्सीलेंस इन बिल्ट एनवायरनमेंट के लिए सम्मानित किया।

दिल्ली के एपी शिंदे सिंपोजियम में आयोजित समारोह में सीपीडब्ल्यूडी के पूर्व निदेशक शैलेंद्र शर्मा, हुडको के पूर्व निदेशक वी. सुरेश, आईबीसी के चेयरमैन विजय सिंह वर्मा और लेफ्टिनेंट जनरल अरविंद वालिया उपस्थित रहे। मंडल की ओर से मुख्य अभियंता प्रथम के.सी. मीणा, उप आवासन आयुक्त (मुख्यालय) विजय अग्रवाल, उप आवासन आयुक्त (सिटी पार्क) के.के. दीक्षित, एच.आर.दुपका, आवासीय अभियंता जी.पी. अग्रवाल और रोहित सिंह ने हजारों लोगों की उपस्थिति में विभिन्न सम्मान ग्रहण किए।

आवासन आयुक्त पवन अरोड़ा ने कहा कि सम्मान अकेले अधिकारी का नहीं, बल्कि पूरी टीम का होता है। विगत 4 वर्ष पूर्व आमजन का विश्वास आवासन मंडल से पूरी तरह उठ गया था, मंडल लगातार घाटे में जा रहा था लेकिन मंडल के अधिकारियों और कार्मिकों की ऊर्जा ने नामुमकिन को भी मुमकिन कर दिखाया।

अरोड़ा ने बताया कि दिल्ली के भव्य समारोह में सराहे गए सिटीपार्क, कोचिंग हब, चौपाटी और शिक्षक प्रहरी आवास योजना इससे पूर्व भी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खासी चर्चित रह चुके हैं। टिकट लगने के बावजूद भी सिटी पार्क में प्रतिदिन हजारों की संख्या में स्थानीय और विदेशी पर्यटक इसकी खूबसूरती का दीदार करने आते हैं। प्रताप नगर और मानसरोवर में स्थापित चौपाटी के लजीज क्यूज़ीन और व्यंजनों के तो शहरवासी दीवाने हैं। चौपाटियों के शुरुआती 5 महीनों में अधिकतम फुटफाल के लिए तो दो अंतरराष्ट्रीय अवार्ड भी मिल चुके हैं। चौपाटियों पर चलने वाला लाइव बैंड के आगंतुक खासे मुरीद हैं। प्रताप नगर में बना कोचिंग हब देश का पहला ऐसा संस्थान है, जहां अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त भवन में निजी कोचिंग एक साथ संचालित होने को हैं। इनके अलावा प्रदेश में शिक्षक और कांस्टेबल के लिए पहली बार बनी आवास परियोजना रही जहां रहवासियों को स्विमिंग पूल, स्पोर्ट्स अरेना, कम्युनिटी एरिया, लैंड स्कैपिंग तथा अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई गई।

गौरतलब है कि आवासन आयुक्त पवन अरोड़ा की अगुवाई में पिछले चार वर्षों में मण्डल को कुल 21 अवार्ड मिल चुके हैं। इनमें मकान विक्रय में वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्डस, स्कॉच अवार्ड-2021, अवार्ड ऑफ एक्सीलेन्सी, नेशनल रियल एस्टेट डवलपमेंट काउंसिल द्वारा सम्मान, नेशनल हाउसिंग अवार्ड, आई.बी.सी और 'स्टार ऑफ गवर्नेंस-गोल्ड अवार्ड' और नरेडको द्वारा दिए रियल एस्टेट कॉन्क्लेव जैसे प्रतिष्ठित अवार्ड शामिल हैं।

# 100 आयुष चिकित्सालयों में यूनानी चिकित्सा मिलेगी

**जयपुर**, (का.सं.)। राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में परम्परागत चिकित्सा प्रणालियों के विकास एवं विस्तार के लिए निरन्तर महत्वपूर्ण फैसले लिए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने 100 आयुष चिकित्सालयों/ औषधालयों में यूनानी चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। साथ ही, इन सुविधाओं के संचालन के लिए कुल 200 पदों के सृजन के प्रस्ताव को भी स्वीकृति दी है।

इन 100 आयुष चिकित्सालयों / औषधालयों में यूनानी चिकित्सा उपलब्ध कराने के लिए प्रत्येक में यूनानी चिकित्साधिकारी तथा यूनानी कनिष्ठ नर्स/ कम्पाउण्डर के 1-1 पद का सृजन किया जाएगा। इनके लिए 20 लाख रुपए लागत से आवश्यक फर्नीचर एवं उपकरणों की खरीद भी की जाएगी। गहलोत के इस निर्णय से प्रदेश में परम्परागत चिकित्सा पद्धतियों को बढ़ावा मिलेगा। जयपुर में 18, जोधपुर में 16, भरतपुर में 8, सीकर में 6, अजमेर व सवाईमाधोपुर में 5-5, उदयपुर, दौसा व झुंझुनूं में 4-4, नागौर, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, चूरू में 3-3, कोटा, जालोर, जैसलमेर व राजसमंद में 2-2, अलवर, बीकानेर, बूंदी, धौलपुर, हनुमानगढ़, करौली, पाली, प्रतापगढ़, श्रीगंगानगर व टोंक में 1-1 आयुष चिकित्सालय /औषधालय में यूनानी चिकित्सा सुविधा उपलब्ध होगी।

# जब हर आंगन में होगा योग, तब ही हर घर रहेगा निरोग : सौम्या गुर्जर

**जयपुर**, (कासं)। योग महोत्सव-2023 के तहत ग्रेटर नगर निगम योग शिविरों का आयोजन कर रहा है। इस कड़ी में शनिवार को नगर निगम ग्रेटर और पंतजलि योग समिति की ओर से करधनी पार्क में योग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर की शुरुआत करते हुए महापौर सौम्या गुर्जर ने कहा कि जब हर आंगन में योग होगा, तब ही हर घर निरोग रहेगा। उन्होंने कहा कि स्वयं नियमित योग करके अन्य को प्रशिक्षण देने वाले तथा योग के प्रचार-प्रसार में सक्रिय योगदान देने वाले योगाचार्यों के साथ योग प्रशिक्षकों व नागरिकों को नगर निगम ग्रेटर प्रशस्ति पत्र प्रदान कर प्रोत्साहित करेगा। जयपुर के हर घर-आगंन के साथ फुटपाथ पर जीवनयापन करने वाले अंतिम स्तर के व्यक्ति को भी योग का प्रशिक्षण देकर उसकी सेवा करनी है।

## एशियाई खेलों से पहले स्पेन, जर्मनी का दौरा करेगी महिला हॉकी टीम

नयी दिल्ली, 10 जून। भारतीय महिला हॉकी टीम चीन के हांग्झोउ में होने वाले एशियाई खेलों की तैयारी के लिये जुलाई में जर्मनी और स्पेन का दौरा करेगी। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने शनिवार को यह जानकारी दी। साई ने बताया कि भारतीय टीम 12 जुलाई को जर्मनी जायेगी, जहां वह रसेलशाइम में प्रशिक्षण लेने के बाद जर्मनी और चीन से मुकाबला करेगी। जर्मनी में अभियान खत्म करने के बाद भारतीय महिलाएं टेरासा जायेंगी, जहां उनका सामना मेज़बान स्पेन, दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड से होगा। यूरोप का यह दौरा एशियाई खेलों की तैयारी के लिहाज़ से भारत के लिये महत्वपूर्ण होगा, जो पेरिस ओलंपिक 2024 का क्वालीफिकेशन आयोजन भी है। इस अंतरराष्ट्रीय दौरे का वित्तपोषण केंद्रीय खेल मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय खेल महासंघ योजना के तहत किया जा रहा है। भारतीय महिलाएं इस समय बेंगलुरु के साई केंद्र में हैं, जहां वे एशियाई खेलों के तैयारी शिविर में रविवार से भाग लेंगी।

## दीक्षा कट से चूकी, शुभंकर ने बोगी रहित दौर खेला

स्टॉकहोम, 10 जून। भारतीय गोल्फर शुभंकर शर्मा ने बोगीरहित दूसरा दौर खेलकर स्कैंडेनेवियन मिश्रित ओपन में कट में प्रवेश कर लिया लेकिन दीक्षा डागर चूक गई। शर्मा ने पहले दौर में निराशाजनक 75 का स्कोर किया था लेकिन दूसरे दौर में कोई बोगी नहीं किया जबकि चार बर्डी लगाये। वह संयुक्त 48वें स्थान पर हैं। वहीं दीक्षा ने पहले दौर में पांच ओवर और दूसरे में तीन ओवर का स्कोर किया और कट में जगह नहीं बना सकी। इंग्लैंड की डेल विटनेल ने छह स्ट्रोक्स की बढत बना ली है।

## किपयेगोन ने एक सप्ताह के अंदर दूसरी बार बनाया विश्व रिकॉर्ड

पेरिस, 10 जून। कीनिया की फेथ किपयेगोन ने यहां डायमंड लीग मीट में 5000 मीटर रेस में 14 मिनट 5.20 सेकंड के समय के साथ शुक्रवार को यहां महिला वर्ग में नया विश्व रिकॉर्ड कायम किया। दो बार की इस ओलंपिक चैम्पियन ने पिछले सप्ताह फ्लोरेंस में गोल्डन गाला एथलेटिक्स प्रतियोगिता में महिलाओं की 1,500 मीटर दौड़ को तीन मिनट 49.11 सेकंड में पूरा कर नया विश्व रिकॉर्ड बनाया। वह इस दौड़ में तीन मिनट 50 सेकंड से कम का समय निकालने वाली दुनिया की पहली महिला एथलीट बन गई थी। किपयेगोन ने पेरिस में अपने आखिरी लैप को 61.1 सेकंड में पूरा कर लेटेसेनबेट गिडे के रिकॉर्ड को 1.42 सेकंड के अंतर से तोड़ा। गिडे ने 2020 में 14 मिनट 07.94 सेकंड के समय के साथ विश्व रिकॉर्ड बनाया था।

# जीत से 280 रन दूर भारत, संघर्ष जारी

लंदन, 10 जून। भारत ने रोहित शर्मा (43) और विराट कोहली (44 नाबाद) के महत्वपूर्ण योगदानों की बदौलत ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के चौथे दिन शनिवार को तीन विकेट पर 164 रन बना लिये, हालांकि वह अब भी जीत से 268 रन दूर है। पहली पारी में 173 रन की बढ़त लेने वाले ऑस्ट्रेलिया ने एलेक्स कैरी (66 नाबाद) के अर्द्धशतक की मदद से दूसरी पारी 270/8 के स्कोर पर घोषित करते हुए भारत के सामने 444 रन का पहाड़ जैसा लक्ष्य रखा है। अगर भारत आखिरी दिन लक्ष्य हासिल करना चाहता है तो उसे कोहली-रहाणे पर निर्भर रहना होगा।

करो या मरो की स्थिति में लक्ष्य का पीछा करने उतरे रोहित और शुभमन गिल ने खुलकर बल्लेबाजी की। रोहित ने पहले ही ओवर में कमिंस को चौका लगाकर खाता खोला, जबकि गिल ने दो ओवर बाद कमिंस को दो चौके जड़े। कप्तान कमिंस ने विकेट की तलाश में वामहस्त गेंदबाज मिचेल स्टार्क को भी गेंद सौंपी। रोहित ने उनका स्वागत फाइन लेग पर छक्का लगाकर किया। भारत दूसरे सत्र का समापन बिना विकेट गंवाये कर सकता था, लेकिन बोलैंड ने सत्र के आखिरी ओवर में शुभमन गिल को स्लिप में कैचआउट करवा दिया। गिल 19 गेंद पर 18 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद भी रोहित ने उसी अंदाज़ में रन बनाना जारी रखा और चौके के साथ नौवें ओवर में भारत का पचासा पूरा किया। दूसरे छोर पर खड़े पुजारा ने भी बोलैंड को चौका लगाकर दबाव कम किया। रोहित पुजारा के बीच हुई 51 रन की साझेदारी की मदद से भारत अच्छी स्थिति में दिखने लगा, लेकिन तभी दोनों बल्लेबाज खराब शॉट खेलकर पवेलियन लौट गये।

नेथन लायन की स्पिन पर स्वीप खेलने की कोशिश में रोहित (43) पगबाधा हुए, जबकि कमिंस की गेंद पर अपर-कट खेलने की कोशिश करते हुए पुजारा (27) विकेटकीपर को कैच थमा बैठे। भारत का स्कोर पलक झपकते ही 92/1 से 93/3 हो गया।

इसके बाद स्कॉट बोलैंड ने कुछ देर तक कोहली को अपनी स्विंग से छकाया, हालांकि उनका स्पेल समाप्त होते ही कोहली-रहाणे ने आसानी के साथ रन बटोरे। कोहली ने 35वें ओवर में चौका लगाकर भारत के 150 रन पूरे किये। दिन का खेल खत्म होने तक कोहली 44 रन बनाकर जबकि रहाणे 20 रन बनाकर खेल रहे हैं और दोनों के बीच 69 रन की साझेदारी हो चुकी है।

इससे पूर्व, दिन की शुरुआत में भारत की कोशिश थी कि वह ऑस्ट्रेलिया को छोटे से छोटे स्कोर पर रोककर विशाल बढ़त न लेने दे। उमेश यादव ने अपने पहले स्पेल में मार्नस लाबुशेन (126 गेंद, 41 रन) को स्लिप में कैचआउट करवाकर भारत को शानदार शुरुआत दिलाई, हालांकि इसके बाद लंबे समय तक कोई विकेट नहीं गिरा।

आधी टीम के 124 रन पर पवेलियन लौटने के बाद ग्रीन और कैरी ने पारी को संभाला। ग्रीन ने जहां धैर्य का प्रदर्शन किया, वहीं कैरी ने मौका मिलने पर चौका लगाने में देर नहीं की। दोनों ने ऑस्ट्रेलिया की बढ़त को 300 रन के पार पहुंचाते हुए छठे विकेट के लिये 43 बहुमूल्य रन जोड़े। जडेजा ने ग्रीन को आउट करके इस साझेदारी को समाप्त किया। जब धैर्यवान ग्रीन (95 गेंद, 25 रन) का विकेट गिरा तब ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 167 रन था। ग्रीन-स्टार्क की जोड़ी ने लंच तक ऑस्ट्रेलिया को 200 रन के पार पहुंचाते हुए कोई और नुकसान नहीं होने दिया। पहली पारी में अर्द्धशतक से चूकने वाले कैरी ने 82 गेंद में 50 रन का आंकड़ा छुआ। कैरी ने ही 79वें ओवर में जडेजा को चौका लगाकर ऑस्ट्रेलिया की बढ़त 400 रन के पार भी पहुंचाई।

### विवादास्पद कैच से आउट हुए गिल

पहली पारी में 13 रन बनाने वाले शुभमन गिल दूसरी पारी में अच्छी लय में दिखे। गिल टिकते हुए नजर आ रहे थे लेकिन 18 के निजी स्कोर पर उन्हें पवेलियन लौटना पड़ा। गिल को स्कॉट बोलैंड ने आठवें ओवर में कैमरन ग्रीन के हाथों कैच कराया। हालांकि, गिल को कैच आउट दिए जाने पर कंट्रोवर्सी हो गई है। रोहित ने भी गिल के आउट होने पर नाराजी का इजहार किया। पूर्व दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने अंपायर के फैसले पर सवाल उठाए। वहीं, भारतीय फैंस सोशल मीडिया पर कह रहे हैं कि फाइनल में भारतीय टीम के साथ बेईमानी हो गई है। बता दें कि गिल को आठवें ओवर की पहली गेंद गुड लेंथ पर मिली, जो ऑफ स्टंप के करीब की लाइन में आई। ऐसे में गिल शॉट खेलने में थोड़ा हिचकिचाए लेकिन बल्ला अड़ा दिया। गेंद बल्ले का बाहरी किनारा लेकर गली में चली गई, जहां ग्रीन मौजूद थे। ग्रीन ने बाईं ओर झुककर गेंद पकड़ी और जश्न मनाने लगे। इसके बाद, थर्ड अंपायर ने कैच चेक करने का फैसला किया और कई बार रिप्ले देखा। रिप्ले में स्पष्ट तौर पर क्लीन कैच नहीं दिखा। एक एंगल से यह भी लगा कि गेंद जमीन से टच हुई है। हालांकि, जब बिग स्क्रीन पर अंपायर का निर्णय आया तो गिल को आउट करार दिया गया। थर्ड अंपायर के फैसले से गिल तो निराश थे ही रोहित भी गुस्सा में दिखे।

# स्वियातेक फिर बनी रोलां गैरो चैम्पियन

पेरिस, 10 जून। पोलैंड की इगा स्वियातेक ने अपनी शानदार फॉर्म को जारी रखते हुए शनिवार को खेले गये फ्रेंच ओपन महिला एकल फाइनल में चेक गणराज्य की कैरोलीना मुकोवा को हराकर लगातार दूसरी बार रोलां गैरो का खिताब जीत लिया। कोर्ट फिलिप चैट्रियर पर दो घंटे 46 मिनट चले मुकाबले का पहला सेट गंवाने के बाद मुकोवा ने दमखम दिखाया, लेकिन टॉप सीड स्वियातेक ने 6-2, 5-7, 6-4 की जीत के साथ विश्व रैंकिंग में शीर्ष स्थान अपने पास रखा।

यह स्वियातेक के करियर का तीसरा रोलां गैरो और कुल चौथा ग्रैंड स्लैम खिताब है। उन्होंने पिछले साल अमेरिकी ओपन का खिताब भी अपने नाम किया था। सिर्फ 22 साल की उम्र में स्वियातेक चार ग्रैंड स्लैम जीतने वाली सबसे युवा खिलाड़ी बन गयी हैं। दूसरी ओर, गैर वरीयता प्राप्त मुकोवा के लिये भी यह एक यादगार अभियान रहा। यह किसी ग्रैंड स्लैम आयोजन में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इससे पहले उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई ओपन 2021 के सेमीफाइनल तक सफर किया था।

## फ्रेंच ओपन : व्हील चेयर ग्रैंड स्लैम जीतने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने ओडा

पेरिस, 10 जून। जापान के टोकिटो ओडा शनिवार को फ्रेंच ओपन व्हीलचेयर फाइनल में ब्रिटेन के अल्फी हेवेट को 6-1, 6-4 से हराकर सबसे कम उम्र के व्हीलचेयर ग्रैंड स्लैम चैंपियन बन गये। इस जीत के बाद ओडा का विश्व रैंकिंग में नंबर एक पर पहुंचना भी तय है। ओडा ने जीत के बाद कहा, मैं एक दिन दो सपने पाकर वास्तव में बहुत खुश था। सबसे कम उम्र का विश्व नंबर एक बनना और ग्रैंड स्लैम खिताब जीतना, आज दोनों सपने पूरे हुए। यह मेरे जीवन का सबसे खुशी का दिन है।" इस जीत के साथ ओडा ने जनवरी में ऑस्ट्रेलियाई ओपन में हेवेट के हाथों मिली हार का हिसाब भी चुकता किया। ओडा ने कहा, "यह फिलिप चैट्रियर कोर्ट पर मेरा पहला मुकाबला था। भीड़ में इतने लोग थे। कोई कहता है, कम ऑन, टोकिटो, और कोई कहता है, अल्लेज़, टोकिटो। यह शब्द सुनकर मुझे बहुत खुशी हुई।" नयी विश्व रैंकिंग सोमवार को जारी की जाएगी।